Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

दिसंबर 2022 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- रागी उत्पादन में गुमला पूरे झारखंड राज्य में अव्वल 3
- झारखंड के फॉरेस्ट सॉयल हेल्थ कार्ड का विमोचन 3
- झारखंड के साहिबगंज समेत 9 ज़िलों के किसानों को प्राकृतिक खेती की मिलेगी ट्रेनिंग 4
- झारखंड के इतिहास में पहली बार एक महिला बनी प्रशासनिक सेवा संघ की अध्यक्ष 4
- प्लस टू स्कूल में तब्दील होंगे झारखंड के इंटर कॉलेज 5
- झारखंड की छात्रा को मिला IIIT के इतिहास का सबसे बड़ा पैकेज 5
- झारखंड की 400 आजीविका दीदियों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित 6
- राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस शुरू 6
- झारखंड की युवा कवयित्री जसिंता केरकेट्टा फोर्ब्स इंडिया की सेल्फ मेड वुमन की सूची में शामिल 6
- उपन्यासकार रणेंद्र को प्रेमचंद स्मृति कथा सम्मान दिये जाने की घोषणा 7
- तीन दिवसीय अंडर 19 राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न 7
- लोहरदगा में 33वाँ प्रांतीय शिशु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता का समापन 8
- संजय कुमार मिश्रा होंगे झारखंड हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस 8
- झारखंड पर्यटन फोटोग्राफी वीडियोग्राफी प्रतियोगिता 9
- गोड्डा के अडाणी पावर प्लांट से रोशन होगा बांग्लादेश, 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू 9
- तीनदिवसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत 10
- झारखंड में नए साल से प्री-पेड मोड में काम करने लगेंगे स्मार्ट मीटर 10
- झारखंड को पहली बार मिला डिजिटल इंडिया अवार्ड 11
- डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एएस गंगवार 'एक्जम्पलरी लीडर आफ द ईयर 2022 अवार्ड' से सम्मानित 11
- झारखंड विधानसभा 8533.89 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश 12
- राँची सहित देशभर के 25 हवाई अड्डों को लीज पर देने की तैयारी 12
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (XISS) को युनिवर्सिटी में बदलने की तैयारी शुरू 13
- लातेहार के चार लोक कलाकारों को मिला पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा अवॉर्ड 13
- मुख्यमंत्री ने राज्य में दी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने की मंज़ूरी 14
- झारखंड में स्थापित किये जाएंगे 24 नए ट्रॉमा सेंटर 14
- 'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना' 15

नोट :

झारखंड

रागी उत्पादन में गुमला पूरे झारखंड राज्य में अव्वल

चर्चा में क्यों ?

30 नवंबर, 2022 को झारखंड के गुमला ज़िला प्रशासन द्वारा ज़िले में संचालित रागी मिशन तथा पोषण लड्डू योजना की समीक्षा बैठक में डीसी सुशांत गौरव ने बताया कि इस वर्ष गुमला ज़िले में 3500 हेक्टेयर जमीन में रागी की खेती की गई थी, जिसमें 4500 मिट्रिक टन रागी का उत्पादन करते हुए गुमला ने राज्य में अव्वल स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- डीसी सुशांत गौरव ने बताया कि गुमला ज़िले ने 4500 मिट्रिक टन रागी का उत्पादन किया है, जिसमें 200 मिट्रिक टन उत्पादित रागी का क्लस्टर स्तर पर संकलन किया जा चुका है।
- उन्होंने राज्य में किसान मेला का भव्य रूप से आयोजन करने का निर्देश दिया ताकि दूरदराज से भी लोग आकर रागी तथा इससे बने चीजों को खरीद सकें। मेले में कोई संस्था, संगठन अथवा कंपनी रागी की खरीद करने या इसकी मार्केटिंग करने हेतु ज़िला प्रशासन के साथ जुड़ना चाहे तो उनका स्वागत किया जाएगा।
- उन्होंने ज़िले से एक टीम को रागी से बनने वाले खाद्य-पदार्थों, रागी से संबंधित वैज्ञानिक दृष्टिकोण आदि को समझने और सीखने के लिये अन्य राज्यों के यूनिवर्सिटी अथवा संस्थानों में जाने हेतु तैयारी करने का निर्देश दिया ताकि उनके द्वारा लिये गए प्रशिक्षण से गुमला ज़िले में और बेहतर कार्य किया जा सके।
- सुशांत गौरव ने ज़िला समाज कल्याण पदाधिकारी को ज़िले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ रहे बच्चों की सूची देने और केंद्रों के बच्चों के लिये रागी के आटे तैयार कर भेजे जाने का निर्देश दिया। रागी के आटे को नियमित रूप से बच्चों के भोजन में मिलाकर दिया जाएगा, जिससे बच्चे कुपोषण से बचेंगे।
- ज़िले में कुपोषण को खत्म करने का सबसे बेहतर उपाय रागी है और इसके साथ ही यह आर्थिक आमदनी का भी स्रोत है।

झारखंड के फॉरेस्ट सॉयल हेल्थ कार्ड का विमोचन

चर्चा में क्यों ?

2 दिसंबर, 2022 को झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव ने राँची के ललगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में फॉरेस्ट सॉयल हेल्थ कार्ड ऑफ झारखंड का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव ने कहा कि झारखंड देश का पहला राज्य है, जहाँ फॉरेस्ट सॉयल हेल्थ कार्ड (वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड) का विमोचन किया गया है।
- राँची के वन उत्पादकता संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की स्वीकृति के बाद देहरादून की भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड का कार्य शुरू किया गया था।
- राँची के वन उत्पादकता संस्थान को झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के लिये वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने का कार्य सौंपा गया था। कोरोना के बावजूद तय समय सीमा में ये कार्य पूरा किया गया।

नोट :

- देहरादून के वन अनुसंधान केंद्र के राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक डॉ. विजेंदर पाल पवार ने कहा कि कई जगहों से मिट्टियों का सैंपल लेकर जाँच की गई है। इसके बाद उनका विश्लेषण किया गया है।
- वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड के निर्माण का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता संबंधी परेशानियों का निदान करना है। इसका लाभ वनों के किनारे रहने वाले ग्रामीणों को मिलेगा।
- इस अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान के प्रधान अन्वेषक डॉ. शंभुनाथ मिश्रा ने कहा कि जीआईएस और रिमोट सेंसिंग की मदद से झारखंड के 31 प्रादेशिक वन प्रमंडलों के 1311 स्थानों से मिट्टी के नमूनों को एकत्र किया गया। इसके बाद संस्थान की प्रयोगशाला में 16670 मृदाओं का विश्लेषण किया गया।

झारखंड के साहिबगंज समेत 9 ज़िलों के किसानों को प्राकृतिक खेती की मिलेगी ट्रेनिंग

चर्चा में क्यों ?

3 दिसंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में प्राकृतिक खेती के लिये आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. अमृत कुमार झा ने बताया कि झारखंड के साहिबगंज समेत नौ ज़िलों में जल्द ही किसानों को प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग दी जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि देशभर के 425 जिलों में प्राकृतिक खेती करने के लिये कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें झारखंड के साहिबगंज समेत नौ जिलों का भी चयन किया गया है।
- इसके तहत किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीके बताए जाएंगे। किसानों को रासायनिक खाद का इस्तेमाल करना छोड़ प्राकृतिक खेती करने के लिये बढ़ावा को लेकर जागरूक किया जाएगा।
- प्राकृतिक खेती करने के लिये किसानों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाएगा, ताकि मिटी की उर्वरा शत्ति बनी रहे। रासायनिक खाद का उपयोग खेतों में नहीं करने, खेतों में ज्यादा से ज्यादा गोबर, खाद और गौ मूत्र का उपयोग करके किसान प्राकृतिक खेती करें, ताकि खेतों में केंचुआ की संख्या में वृद्धि हो सके। रासायनिक खाद के उपयोग से खेत में केंचुए की संख्या में कमी आ रही है, जिससे खेतों की उर्वरा शत्ति में कमी आ रही है।

झारखंड के इतिहास में पहली बार एक महिला बनी प्रशासनिक सेवा संघ की अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

4 दिसंबर, 2022 को राजधानी राँची के मोरहाबादी स्थित राँची कॉलेज के आर्यभट्ट सभागार में झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ की आम सभा सह निर्वाचन प्रक्रिया में सर्वसम्मति से रंजीता हेम्ब्रम को अध्यक्ष चुना गया। झारखंड के 22 साल के इतिहास में पहली बार एक महिला प्रशासनिक सेवा संघ की अध्यक्ष चुनी गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- रंजीता हेम्ब्रम के अलावा सरायकेला-खरसावां के डीडीसी प्रवीण गगराई ने भी इस पद के लिये नॉमिनेशन किया था। बाद में प्रवीण ने अपना नाम वापस ले लिया और सर्वसम्मति से रंजीत हेम्ब्रम को झारखंड प्रशासनिक सेवा संघ का अध्यक्ष चुन लिया गया। रंजीता हेम्ब्रम के अध्यक्ष चुने जाने से पहले राम कुमार सिन्हा इस संघ के अध्यक्ष थे।
- बिहार प्रशासनिक सेवा आयोग (बीपीएससी) की परीक्षा पास करने के बाद रंजीता हेम्ब्रम प्रशासनिक सेवा में आई थीं। संयुक्त बिहार में आयोजित परीक्षा में वह महिला टॉपर थीं। पूरे बिहार में उनका ओवरऑल सातवाँ रैंक था। 41वें बीपीएससी 1998 बैच की अधिकारी रंजीता हेम्ब्रम राँची ज़िला के रातू प्रखंड की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) रह चुकी हैं।
- रंजीता हेम्ब्रम वर्तमान में झारखंड संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद की संयुक्त सचिव हैं। वह झारखंड कम्बाइंड इंट्रेंस कंपटीटिव एग्जामिनेशन बोर्ड (JCECEB) की डिप्टी कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन भी हैं।

नोट :

प्लस टू स्कूल में तब्दील होंगे झारखंड के इंटर कॉलेज

चर्चा में क्यों ?

6 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के डिग्री कॉलेजों से इंटर की पढ़ाई हटाकर वहाँ के इंटर कॉलेजों को प्लस टू स्कूलों में तब्दील किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के इंटर कॉलेजों को प्लस टू स्कूलों में बदलने के साथ-साथ इन कॉलेजों के नामों में भी बदलाव किया जाएगा।
- राज्य के पलामू का शहीद भगत सिंह इंटर महाविद्यालय जपला अगले साल से शहीद सिंह प्लस टू स्कूल जपला के नाम से जाना जाएगा, जबकि राँची का लापुंग इंटर कॉलेज अब लापुंग प्लस टू स्कूल कहलाएगा।
- इन स्कूलों में 11वीं-12वीं की पढ़ाई तो होगी ही, 9वीं-10वीं की पढ़ाई की भी शुरुआत होगी। स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है।
- राज्य के इंटर महाविद्यालयों का नाम प्लस टू स्कूल में बदलने के लिये उन्हें महाविद्यालय के शासी निकाय से इसका प्रस्ताव पास कराना होगा। शिक्षा विभाग इसके लिये झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के माध्यम से महाविद्यालयों को प्रस्ताव भेजेगा।
- महाविद्यालयों को प्लस टू स्कूल के रूप में बदलने के बाद ही उन्हें उस नाम से अनुदान मिल सकेगा।
- विदित है कि वर्तमान में झारखंड में 635 प्लस टू स्कूल, 203 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, 57 झारखंड बालिका विद्यालय, 89 मॉडल स्कूल समेत समर्थ विद्यालय भी हैं। इन स्कूलों में प्लस टू की पढ़ाई होती है।
- राज्य के प्लस टू स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, मॉडल स्कूल, समर्थ विद्यालय समेत वैसे सभी स्कूल, जहाँ 11वीं-12वीं की पढ़ाई होती है, उसकी मैपिंग की जा रही है। इन स्कूलों में देखा जा रहा है कि अधिकतम कितने छात्र-छात्राएँ यहाँ पढ़ाई कर सकते हैं।

झारखंड की छात्रा को मिला IIIT के इतिहास का सबसे बड़ा पैकेज

चर्चा में क्यों ?

7 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार IIIT (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) रांची की कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा चार्मी आशीष मेहता को ट्रिपल आइटी के इतिहास का सबसे बड़ा पैकेज (38 लाख रुपए) मिला है।

प्रमुख बिंदु

- चार्मी आशीष मेहता को ऑस्ट्रेलिया की एटलासियन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में यह पैकेज मिला है। ट्रिपल आइटी की स्थापना के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। इससे पूर्व कई विद्यार्थियों को 50 लाख रुपए का पैकेज मिला था।
- इसके अलावा चार्मी आशीष मेहता को दो अन्य कंपनी के भी ऑफर मिले हैं। इनमें इंफोड्स कंपनी की ओर से 5 लाख रुपए और प्रोड्यूक्टिव कंपनी की ओर से 25 लाख रुपए के पैकेज का ऑफर दिया गया है।
- ट्रिपल आइटी रांची के निदेशक प्रो. विष्णुप्रिये ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद वर्ष 2019-2023 बैच के विद्यार्थियों ने पूरे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों से कई प्लेसमेंट ऑफर पाने में कामयाबी हासिल की है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 83 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है।
- निदेशक प्रो. विष्णुप्रिये ने बताया कि वर्ष 2016 में स्थापित यह संस्थान केंद्र और राज्य सरकार के सहयोग से पीपीपी मोड पर चल रहा है।
- उल्लेखनीय है कि संस्थान के ही कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र तुषार जैन ने उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 22 से 25 नवंबर, 2022 तक आयोजित यूनेस्को इंडिया-अफ्रीका हैकाथॉन में जीत हासिल किया था। तुषार व इनकी टीम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पुरस्कार स्वरूप तीन लाख रुपए प्रदान किया था।
- तुषार ने स्वास्थ्य और स्वच्छता उप-विषय के तहत 36 घंटे के कार्यक्रम में मधुमेह मेलेट्स की जटिलताओं की प्रारंभिक पहचान के लिये स्व-देखभाल और नियमित जाँच के लिये एक ऐप विकसित किया। 36 घंटे की इंटेंस कोडिंग के बाद तुषार ने खिताब हासिल किया।

नोट :

झारखंड की 400 आजीविका दीदियों को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

7 दिसंबर, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दि नज इंस्टिट्यूट की ओर से आयोजित 'झारखंड की दीदियों का स्नातक समारोह' में झारखंड की 400 आजीविका दीदियों को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- सम्मानित दीदियों में लोहरदगा, लातेहार और गुमला ज़िले की झारखंड की सखी मंडल और स्वयं सहायता समूह की आजीविका से आत्मनिर्भर और सक्षम बनी दीदियाँ शामिल हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि ये दीदियाँ विपरीत परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करते हुए जिस तरह विभिन्न आजीविका से जुड़कर न सिर्फ खुद स्वावलंबी बनी हैं, बल्कि अपने परिवार का भरण-पोषण बेहतरीन तरीके से कर रही हैं, वह अन्य दीदियों के लिये ऊर्जा का स्रोत हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 'सरकार आपके द्वार'कार्यक्रम के माध्यम से घर-घर तक योजनाओं को पहुँचाने का काम किया है। इस दौरान न सिर्फ ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हुआ है, बल्कि पूरे मान-सम्मान के साथ उन्हें उनका हक और अधिकार भी देने का काम किया गया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस शुरू

चर्चा में क्यों ?

8 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित एवं साइंस फॉर सोसाइटी, झारखंड की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस का राज्य के डीपीएस बोकारो में शुभारंभ हुआ।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम के पहले दिन राज्य के 13 विभिन्न ज़िलों से पहुँचे 100 से अधिक बाल वैज्ञानिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया।
- पहले दिन निर्णायक मंडली के सदस्यों के लिये उन्मुखीकरण कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) हुआ, जिसमें सोसाइटी के पदाधिकारियों ने निर्णायकों को बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस की विषय-वस्तु 'स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये पारिस्थितिकी तंत्र को समझना'के साथ प्रोजेक्ट के मूल्यांकन, इससे संबंधित मापदंडों, विभिन्न तकनीकी पहलुओं एवं उसके आधार पर प्रतिभागियों के चयन के संदर्भ में जानकारी दी।
- झारखंड साइंस फॉर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अली इमाम खान ने बताया कि सोसाइटी तत्कालीन बिहार के समय से ही वर्ष 1993 से बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस का आयोजन कर रही है। इसका उद्देश्य बच्चों में शोध की प्रवृत्ति का विकास कर उनमें वैज्ञानिक चेतना जागृत करना तथा बच्चों को स्कूली शिक्षा के पारंपरिक दायरे से अलग हटकर नवाचार के साथ शोध में शामिल करना है।
- उन्होंने बताया कि बाल विज्ञान कॉन्ग्रेस में सर्वे और प्रयोग के आधार पर रिसर्च एक्टिविटी केंद्र में होती है। इसमें स्कूल की बाध्यता नहीं है। इसमें शहरी, ग्रामीण, सीनियर व जूनियर, चार समूहों में आयोजित विज्ञान कॉन्ग्रेस में स्कूल से बाहर के बच्चे भी अपने नवोन्मेषी प्रोजेक्ट के साथ शामिल होते हैं। यहाँ आयोजित हो रहे राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में से लगभग 15 सफल प्रतिभागी विभिन्न वर्गों में राष्ट्रीय स्तर के लिये चयनित होंगे।

झारखंड की युवा कवयित्री जसिंता केरकेट्टा फोर्ब्स इंडिया की सेल्फ मेड वुमन की सूची में शामिल

चर्चा में क्यों ?

8 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार फोर्ब्स इंडिया ने भारत की सेल्फ मेड वुमन 2022 की सूची में झारखंड की युवा कवयित्री और स्वतंत्र पत्रकार जसिंता केरकेट्टा को शामिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- इस साल फोर्ब्स इंडिया की डब्ल्यू-पॉवर 2022 की सूची में ऐसी महिलाओं को शामिल किया गया है, जो रूढ़ियों को तोड़ रही हैं, संदेह को खारिज कर रही हैं और बदलाव का नेतृत्व कर रही हैं।

नोट :

- जसिंता केरकेट्टा के अलावा जो प्रमुख नाम इस सूची में शामिल हैं, वे हैं- निखत जरीन, कटरीना कैफ, अंजु श्रीवास्तव एवं अंजलि बंसल।
- फोर्ब्स इंडिया की टीम ने रिसर्च करके ऐसे नामों को इस सूची में जगह दी जिन्होंने अपनी पहचान खुद बनाई, जिन्हें विरासत में धन या पद नहीं मिला तथा ऐसी महिलाएँ जो दूसरों के लिये प्रेरणा बन सकें। इस सूची में 20 नामों को जगह दी गई है।
- जसिंता केरकेट्टा देश की जानी-पहचानी कवयित्री और स्वतंत्र पत्रकार हैं, जिन्होंने लगातार महिला अधिकारों की बात की, जिन्होंने आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचारों की बेबाकी से चर्चा की। इसके अलावा अपने समाज में व्याप्त अंधविश्वासों का भी खुलकर विरोध किया है।
- जसिंता की कविताएँ इन दिनों न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी ख्याति प्राप्त कर चुकी है। जसिंता ने प्रकृति के साथ अपने सान्निध्य को बताने के लिये अपने घर के आँगन में लगे सौ साल से भी अधिक के फुटकल पेड़ की चर्चा की है। यह जल-जंगल और ज़मीन के प्रति उनके प्रेम और आंदोलन दोनों का प्रतीक है। जसिंता ने लिखा है- फुटकल गाछ प्रकाशित है।

उपन्यासकार रणेंद्र को प्रेमचंद स्मृति कथा सम्मान दिये जाने की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

8 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के कथाकार व उपन्यासकार रणेंद्र को 14वाँ प्रेमचंद स्मृति कथा सम्मान दिये जाने की घोषणा की गई है। उन्हें यह सम्मान उनकी गौरवशाली कथा यात्रा के लिये दिया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- 14वें प्रेमचंद स्मृति कथा सम्मान के निर्णायक मंडल में शामिल योगेंद्र आहूजा ने अपनी प्रशस्ति में बताया कि कथाकार व उपन्यासकार रणेंद्र आदिवासी-मूलवासी जीवन के यथार्थ से सामना कराने और उस समाज के संकटों और सवालों को विमर्श के दायरे में लाने के लिये जाने जाते हैं।
- कथाकार रणेंद्र 'छप्पन छुरी बहत्तर पेंच', 'भूत बेचवा', 'बाबा, कौवे और काली रात' सरीखी कहानियों और 'ग्लोबल गाँव के देवता', 'गायब होता देश'तथा 'गूँगी रुलाई का कोरस' जैसे उपन्यासों से एक अनूठी पहचान अर्जित कर चुके हैं।
- उल्लेखनीय है कि रणेंद्र पिछले तीन दशकों में, नवउदारवादी अर्थतंत्र, मुक्त बाज़ार और अनियंत्रित पूंजी प्रसार, सीमांत क्षेत्रों में भूमाफिया-कारपोरेट-अफसरशाही और सरकारों के गठबंधन एवं असुर सरीखे लुप्तप्राय समुदायों और अन्य जनजातियों को उनकी जगहों से बेदखल किये जाने पर अपनी कलम चला रहे हैं। उनकी रचनाएँ इसी जीवन के जटिल, त्रासद यथार्थ को, साथ ही उनके विरुद्ध जारी संरचनागत हिंसा के तत्त्वों को अपनी रचनाओं में अनावृत्त करते हैं।
- ज्ञातव्य है कि उर्वरक क्षेत्र की अग्रणी सहकारी संस्था इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) द्वारा कथाकार व उपन्यासकार रणेंद्र को वर्ष 2020 का 'श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफ्को साहित्य सम्मान'भी दिया जाएगा तथा वह यह सम्मान पाने वाले झारखंड के पहले साहित्यकार हैं।

तीन दिवसीय अंडर 19 राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

चर्चा में क्यों ?

11 दिसंबर, 2022 को झारखंड के दुमका के इनडोर स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय जूनियर बालक एवं बालिका (Under 19) राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हो गया, जिसमें बालक वर्ग मंल राँची के नीरज केसरी ने तथा बालिका वर्ग में राँची की सारा शर्मा ने खिताब पर कब्जा जमाया।

प्रमुख बिंदु

- बालक वर्ग के एकल मुकाबले में राँची के नीरज केसरी ने गुमला के हर्षित राज को हराकर तथा बालिका एकल वर्ग में राँची की सारा शर्मा ने धनबाद की वैभवी मान को परास्त कर खिताब अपने नाम किया।

नोट :

- वहीं, बालक वर्ग के युगल मुकाबले में पश्चिमी सिंहभूम के इमानुएल कुजुर एवं प्रियांशु तिर्की की जोड़ी ने गुमला के हर्षित राज तथा राँची के नीरज केसरी की जोड़ी को हराकर और बालिका युगल मुकाबले में सरायकेला की आद्या सिंह एवं पूर्वी सिंहभूम की सारा शर्मा की जोड़ी ने पूर्वी सिंहभूम की मनीषा मिश्रा तथा योगिता बोरा की जोड़ी को हराकर क्रमश: बालक एवं बालिका युगल वर्ग का खिताब अपने नाम किये।
- राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए मिक्स डबल मुकाबले में राँची के नीरज केसरी तथा पूर्वी सिंहभूम की सारा शर्मा की जोड़ी पहले जबकि पश्चिम सिंहभूम के इमानुएल कुजुर तथा राँची की योगिता बोरा दूसरे स्थान पर रहीं।
- कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने बताया कि राज्य गठन के 22 साल के अंतराल में विभिन्न सरकारों द्वारा खेल के विकास के लिये अनेक प्रयास किये गए हैं। वर्तमान में झारखंड में खेल प्रतिभा को उभारने और उन्हें बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराने के लिये पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।
- राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को 18 दिसंबर से ओड़िसा के भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।
- प्रतियोगिता में राँची, जमशेदपुर, रामगढ़, लातेहार, लोहरदगा, चाईबासा, सरायकेला, धनबाद, देवघर एवं दुमका सहित झारखंड के अन्य ज़िलों से लगभग 60 प्रतिभागियों ने अपने जौहर का प्रदर्शन किया।

लोहरदगा में 33वाँ प्रांतीय शिशु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

चर्चा में क्यों ?

12 दिसंबर, 2022 को झारखंड के लोहरदगा के शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में चल रहे तीन दिवसीय 33वें प्रांतीय शिशु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता समारोह का समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा ओवरऑल चैंपियन रहा।

प्रमुख बिंदु

- 33वाँ प्रांतीय शिशु वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता में सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र लोहरदगा के कमलेश उराँव ने व्यक्तिगत रूप से तीन स्वर्ण पदक जीतकर सर्वश्रेष्ठ एथलीट बनने का गौरव प्राप्त किया।
- खो-खो प्रतियोगिता के बालक वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर चाईबासा, शिशु मंदिर लोहरदगा व सरस्वती शिशु मंदिर कुम्हार टोली क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, बालिका वर्ग से सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा, सरस्वती शिशु मंदिर भरनो व सरस्वती शिशु मंदिर हज़ारीबाग क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।
- 400 मीटर रिले दौड़ में बालक वर्ग से सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा, सरस्वती शिशु मंदिर सितिक बोना व सरस्वती शिशु मंदिर सिंदरी क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा प्रथम, द्वितीय खलारी व तृतीय राजकमल रहे।
- कबड्डी में बालिका वर्ग से सरस्वती शिशु मंदिर चांपी, बाघमारा व बोकारो 9 डी क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। गोला फेंक में बालिका वर्ग से डकरा की ज्योति, चाईबासा की अंजलि व मेदिनीनगर की आयुषी क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं।

संजय कुमार मिश्रा होंगे झारखंड हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस

चर्चा में क्यों ?

13 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने संजय कुमार मिश्रा के नाम की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है, जिसकी स्वीकृति के बाद संजय कुमार मिश्रा झारखंड हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस होंगे।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डॉ. रवि रंजन 19 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में पद खाली न रहे इसलिये सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने उत्तराखंड हाई कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा के नाम की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। केंद्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद संजय कुमार मिश्रा झारखंड हाई कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस होंगे।

नोट :

- गौरतलब है कि वर्ष 2009 में संजय कुमार मिश्रा को उड़ीसा हाई कोर्ट का जज बनाया गया था, जिसके बाद उनका ट्रांसफर उत्तराखंड हाई कोर्ट कर दिया गया था। जस्टिस संजय कुमार मिश्रा उत्तराखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस भी रह चुके हैं।
- विदित है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने झारखंड हाई कोर्ट सहित तीन हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की भी नियुक्ति की है।

झारखंड पर्यटन फोटोग्राफी वीडियोग्राफी प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

15 दिसंबर, 2022 को झारखंड पर्यटन विभाग द्वारा झारखंड पर्यटन फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। यह प्रतियोगिता 15 जनवरी, 2023 तक चलेगी।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिये फोटोग्राफी के तहत धार्मिक पर्यटन स्थल, पर्व-त्योहार, पारंपरिक मेले, प्राचीन स्थल और स्मारक, नृत्यकला, दर्शनीय सौंदर्य और परिदृश्य को शामिल किया गया है।
- वीडियोग्राफी श्रेणी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब के लिये भी इन विषयों को शामिल किया गया है। रील और शॉर्ट वीडियो के लिये प्रतिभागी इन्हीं विषयों पर अपने हुनर का प्रदर्शन कर सकेंगे।
- इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को एक लाख रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 75 हज़ार रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हज़ार रुपए पुरस्कार स्वरुप दिये जाएंगे। प्रत्येक श्रेणी में 20 हज़ार रुपए के समेकित पुरस्कार भी शामिल हैं। विजेताओं का चयन उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर व्यूज व लाइक के आधार पर किया जाएगा।
- फोटो और वीडियो का मानदंड एचडी फोटोग्राफ व जेपीजी फॉर्मेट है जो न्यूनतम 10 एमबी से अधिकतम 50 एमबी तक होना चाहिये। वीडियो कम से कम एक मिनट से अधिकतम दो मिनट 30 सेकेंड का होना चाहिये। रील या शॉर्ट वीडियो की अवधि 30 सेकेंड की होगी। प्रतिभागी एक या अधिकतम चार फोटोग्राफ अपलोड कर सकते हैं।

गोड्डा के अडाणी पावर प्लांट से रोशन होगा बांग्लादेश, 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू

चर्चा में क्यों ?

16 दिसंबर, 2022 को झारखंड के गोड्डा में बने देश के अब तक के सबसे उत्कृष्ट थर्मल पावर प्लांट में से एक अडाणी पावर प्लांट से पहले चरण में 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हो गया। पहले चरण में 800 मेगावाट का उत्पादन कर बांग्लादेश को बिजली पहुँचाया गया। इस पावर प्लांट से झारखंड सरकार को 25 प्रतिशत बिजली मिलेगी।

प्रमुख बिंदु

- दो यूनिट वाले अडाणी पावर प्लांट के पहले फेज में 800 मेगावाट बिजली का उत्पादन का ट्रायल दिसंबर में हो जाने के बाद बांग्लादेश को तय तिथि 16 दिसंबर को पावर ट्रांसमिट किया गया। दूसरे यूनिट के अप्रैल तक चालू होने की बात बताई जा रही है। उस समय कंपनी की ओर से कुल 1600 मेगावाट का उत्पादन शुरू हो जाएगा।
- बांग्लादेश तक बिजली पहुँचाने के लिये गोड्डा से मुर्शिदाबाद तक 105 किमी. ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण भी अडानी ने करवाया है। इसके अलावा पानी की ज़रुरत को पूरा करने के लिये साहिबगंज से गोड्डा तक वाटर पाइपलाइन बिछाई गई है।
- गौरतलब है कि भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच हुए समझौते के तहत यह पावर प्लांट बनाया गया है। यह अल्ट्रा सुपर थर्मल पावर प्लांट है। इस पावर प्लांट के निर्माण पर कुल 15000 करोड़ रुपए की लागत आई है।
- अडाणी पावर प्लांट का काम साल 2016 में भूमि अधिग्रहण के साथ शुरू हुआ। मोतिया और आसपास के कई गाँव एवं मौजा की करीब 650 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण किया गया। इसके बाद 2018 में कंपनी ने निर्माण कार्य शुरू किया।
- इस प्लांट में नवीन तकनीक का प्रयोग किया गया है। देश भर में लगे अब तक के लेटेस्ट चिमनी जिसकी ऊँचाई 275 मीटर है, यहाँ बनाया गया है। वहीं, पावर उत्पादन के साथ पर्यावरण की रक्षा के लिये इको फ्रेंडली एफडीजी एवं एससीआर केमिकल रिएक्शन का इस्तेमाल का यंत्र लगाया गया है।

नोट :

- एससीआर नामक तकनीक के माध्यम से गैसीय प्रदूषण को रोकने का काम किया गया है। साथ ही इएसपी यानी इलेक्ट्रो स्टेटिक प्रेसीप्रेटर सिस्टम का उपयोग किया गया है। इससे सूक्ष्म से सूक्ष्म कार्बन के उत्सर्जन को परिमार्जित कर प्रदूषण क्षमता को कम करता है। इस यंत्र और मशीन के इंस्टॉलेशन में कंपनी को करीब 2200 करोड़ रुपए अतिरिक्त राशि खर्च करना पड़ा है।
- अडाणी संयंत्र में उच्च तापीय एवं क्वालिटी के बिटुमिनस कोयले का प्रयोग किया जा रहा है। यह कोयला अत्यधिक गुणवत्तापूर्ण बताया जा रहा है।

तीनदिवसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत

चर्चा में क्यों ?

18 दिसंबर, 2022 को झारखंड के राँची के सिल्ली में तीनदिवसीय 'गूंज महोत्सव'की शुरुआत हुई, जिसका उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस द्वारा किया गया।

प्रमुख बिंदु

- 'गूंज महोत्सव'के उद्घाटन से पहले राज्यपाल रमेश बैस ने राँची के सिल्ली कॉलेज में उच्चस्तरीय लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर का ऑनलाइन शुभारंभ किया। स्टडी सेंटर का संचालन झारखंड स्टेट ओपेन यूनिवर्सिटी द्वारा किया जाएगा।
- 'गूंज महोत्सव'में एक साथ 5001 कलाकारों ने 'छऊ नृत्य कार्निवाल'और 1500 युवाओं ने सांस्कृतिक प्रदर्शन किया।
- इस अवसर पर गूंज महोत्सव के संरक्षक सह विधायक सुदेश कुमार महतो ने बताया कि झारखंडी संस्कृति एवं परंपरा की विरासत का जतन करने की कोशिशों के साथ शुरू गूंज महोत्सव ने अपने यादगार सफर के साथ क्षेत्र के विकास और समाज के सशक्तीकरण में निर्णायक भूमिका अदा की है। इसके दारोमदार गूंज परिवार से 74 हज़ार परिवार जुड़े है।
- समारोह में शामिल इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के सुब्रतो दास ने छऊ नृत्य को पारंपरिक नृत्य के तौर पर इस रिकॉर्ड्स में शामिल करने की घोषणा की, इसके साथ ही उन्होंने सुदेश कुमार महतो को रिकॉर्ड्स से जुड़ा मेडल पहनाया।
- गूंज महोत्सव के आयोजन स्थल सिल्ली स्टेडियम में ग्रामीण परिवेश की थीम पर सिल्ली हाट का निर्माण किया गया है। इस हाट में लगभग 100 स्टॉल लगाए गए हैं। एसएचजी से जुड़ी महिलाओं ने भी कई स्टॉल लगाए हैं।

झारखंड में नए साल से प्री-पेड मोड में काम करने लगेंगे स्मार्ट मीटर

चर्चा में क्यों ?

18 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के राँची में जनवरी से स्मार्ट मीटर प्री-पेड मोड में काम करने लगेंगे। इसमें पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तहत लगाए गए एक हज़ार मीटरों को प्री-पेड स्मार्ट मीटर में बदला जाएगा, जिसकी शुरुआत 10 जनवरी से की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) की आइटी सेल ने डाटा सैंपल सर्वे रिपोर्ट को सही पाया, जिसके बाद इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल गयी है। राँची शहर के अंदर कुल 3.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसके पहले चरण के तहत 45 हज़ार स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।
- स्मार्ट मीटर में चिप लगाई गई है तथा मोबाइल टावर्स के माध्यम से बिजली कंपनियों में लगे रिसीवर तक इसका सिग्नल पहुँचेगा। नेटवर्क की समस्या न रहे, इसके लिये बेसमेंट के बाहर मीटर लगाए जा रहे हैं।
- नेटवर्क फ्रिक्वेंसी के सहारे मीटर पहले हेड एंड सिस्टम (एचईएस) को डाटा ट्रांसफर करेगा। इसके बाद जेनरेट डाटा डिकोड होकर मीटर डाटा मैनेजमेंट सिस्टम से होते हुए बिलिंग साइकिल के तहत टैरिफ कैलकुलेशन के बाद सॉफ्टवेयर की मदद से फाइनल बिल के तौर पर उपभोक्ता के पास मैसेज चला जाएगा।

नोट :

- स्मार्ट मीटरिंग के बाद राँची में बिजली चोरी व अन्य तरीके से जेबीवीएनएल को होने वाले लाइन लॉस से छुटकारा मिल जाएगा। वतर्मान में करीब 20 फीसदी बिजली लाइन लॉस में चली जाती है। इसके अलावा ऊर्जा मित्रों द्वारा मीटर रीडिंग के दौरान होने वाली चूक, गलत बिल आदि की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा।
- उपभोक्ता प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर लगे डिस्प्ले स्क्रीन के माध्यम से आसानी से वर्तमान, शेष बिजली बिल, बिजली की शेष राशि व खपत संबंधी आकलन स्वयं कर सकेंगे।
- इसमें 200 रुपए के न्यूनतम रिचार्ज पर उपभोक्ता बिजली का उपयोग कर सकेंगे तथा खपत के आधार पर यह अधिकतम 20 हज़ार या फिर विशेष परिस्थितियों में कमर्शियल यूज़र्स के लिये यह राशि ज़्यादा भी हो सकती है। राशि खत्म होने के बाद बिजली अपनेआप कट जाएगी। हालाँकि, जैसे-जैसे पैसे खत्म होते जाएंगे, वार्निंग के तौर पर उपभोक्ताओं के मोबाइल पर लगातार मैसेज आता रहेगा।
- गौरतलब है कि जेबीवीएनएल की ओर से बकाए का भुगतान करने के बाद केंद्र सरकार द्वारा पावर एक्सचेंज व आधुनिक पावर से बिजली पर लगाई गई रोक हटा दी गई है।

झारखंड को पहली बार मिला डिजिटल इंडिया अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

19 दिसंबर, 2022 को सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने झारखंड के कोडरमा ज़िला प्रशासन द्वारा संचालित DEGS कंप्यूटर बेसिक ट्रेनिंग सेंटर के कॉन्सेप्ट को डिजिटल इंडिया अवार्ड देने के लिये चयनित किया है।

प्रमुख बिंदु

- डिजिटल इंडिया अवार्ड कोडरमा के डीसी आदित्य रंजन के द्वारा ग्रहण किया जायेगा। कोडरमा डीसी के मुताबिक, आगामी सात जनवरी, 2023 को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति के हाथों सम्मान प्राप्त किया जायेगा।
- जानकारी के अनुसार, डिजिटल इंडिया अवार्ड को लेकर सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2022 में आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके लिये हजारों की संख्या में नॉमिनेशन प्राप्त हुए थे। सात अलग-अलग कैटेगरी में दिये जाने वाले इस अवार्ड को लेकर हुए फर्स्ट राउंड में शार्ट लिस्ट में 100 से ज्यादा प्रोजेक्ट को जगह मिली थी। इसके बाद नौ सदस्यों की ज्यूरी जिसमें सचिव आईटी, दो अपर सचिव, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर आदि के समक्ष सभी ने अपना प्रेजेंटेशन दिया था।
- उल्लेखनीय है कि कोडरमा डीसी आदित्य रंजन ने भी आठ दिसंबर, 2022 को दिल्ली में ज्यूरी के समक्ष बेसिक ट्रेनिंग सेंटर की योजना को सामने रखा था, जिसके बाद अब अंतिम रूप से चयन हुआ है।
- कोडरमा का चयन डिजिटल इनिशीएटिव एट ग्रास रूट लेवल में गोल्ड के लिये किया गया है। इस कैटेगरी में ई-विवेचन एप के लिये मध्य प्रदेश को प्लेटिनियम तथा श्रेयाश्री पोर्टल के लिये केरल को सिल्वर मिला है।
- विदित है कि कोडरमा ज़िले में ज़िला प्रशासन की पहल पर हाल के वर्ष में डीईजीएस कंप्यूटर सेंटर की शुरुआत की गई है। वर्तमान में मरकच्चो प्रखंड को छोड़कर कोडरमा, झुमरीतिलैया, सतगावां, डोमचांच, चंदवारा और जयनगर में संचालित हो रहा है। इन सेंटरों में नौ हजार से ज्यादा बच्चों के अलावा एएनएनम, सहिया, जनप्रतिनिधियों आदि को कंप्यूटर का प्रशिक्षण देने के बाद प्रमाण पत्र भी दिया गया है।
- आदित्य रंजन ने बताया कि वर्तमान में भी इन सेंटरों में सैकड़ों प्रशिक्षाणर्थी कंप्यूटर का प्रशिक्षण ले रहे हैं। यहाँ छह केंद्रों के अलावा दो और केंद्र खोलने की योजना है। एक केंद्र परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, कोडरमा और दूसरा जेजे कॉलेज, झुमरीतिलैया में खुलेगा।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एएस गंगवार 'एक्जम्पलरी लीडर आफ द ईयर 2022 अवार्ड' से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) बोकारो के प्राचार्य एएस गंगवार को विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटलीकरण, नवोन्मेषता व शिक्षकों में नेतृत्व-क्षमता के विकास के लिये 'एक्जम्पलरी लीडर आफ द ईयर 2022 अवार्ड'से सम्मानित किया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित एशिया पैसिफिक एजुकेशन समिट एंड अवार्ड्स 2022 के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने गंगवार को यह अवार्ड प्रदान किया।
- बैंकाक के प्रातुनम बर्कले होटल में ग्लोबल ह्यूमन राइट्स काउंसिल, सीईडी (सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट फाउंडेशन), एशिया पैसिफिक चैंबर आफ कॉमर्स और एशिया-अफ्रीका डेवलपमेंट काउंसिल की ओर से आयोजित उक्त शैक्षणिक शिखर सम्मेलन के दौरान गंगवार को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी नवाज़ा गया।
- शिक्षा के क्षेत्र में विगत तीन दशक से भी अधिक समय तक उनके उल्लेखनीय अवदान के लिये यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।
- गंगवार यह अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले झारखंड से एकमात्र प्राचार्य थे। डीपीएस बोकारो से अब तक लगभग 50 शिक्षक प्राचार्य के रूप में नेतृत्वकर्त्ता बनकर उभर चुके हैं।
- विद्यालय में ई-लाइब्रेरी, लैंग्वेज लैब, कंप्यूटर लैब, प्रत्येक कक्षा में स्मार्ट बोर्ड सहित डिजिटलीकरण आधारित अन्य उच्च तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था के साथ-साथ नवाचार में वर्चुअल रियलिटी लैब, कॉमर्स लैब के अलावा बच्चों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करने के भी नवोन्मेषी प्रयास लगातार किये जा रहे हैं।
- प्राचार्य के थाईलैंड से बोकारो लौटने पर 20 दिसंबर को विशेष असेंबली में उनकी उपलब्धियों की घोषणा हुई।
- उल्लेखनीय है कि हाल ही में गंगवार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मॉरीशस में 'एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड 2022' से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व श्रीलंका में उन्होंने डीपीएस बोकारो की ओर से इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सीलेंट अवार्ड भी प्राप्त किया था।

झारखंड विधानसभा 8533.89 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने चालू वित्तीय वर्ष के लिये 89 करोड़ रुपए का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया।

प्रमुख बिंदु

- चालू वित्तीय वर्ष के द्वितीय अनुपूरक बजट में राजस्व खर्च के लिये 14 करोड़ रुपए और पूंजीगत खर्च के लिये 3862.74 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- अनुपूरक बजट की कुल राशि में 71 करोड़ रुपए का प्रावधान चार्जड एक्सपेंडीचर के रूप में किया गया है। चार्जड एक्सपेंडीचर के रूप में हाइकोर्ट, राज्यपाल, जेपीएससी के लिये राशि का प्रावधान किया जाता है।
- सरकार ने द्वितीय अनुपूरक में सबसे ज्यादा राशि (15 करोड़ रुपए) का प्रावधान ऊर्जा विभाग के लिये किया है। यह प्रावधान ग्रामीण विद्युतीकरण योजना सहित बिजली की स्थिति में सुधार से जुड़ी योजनाओं के लिये किया गया है।
- आपदा प्रबंधन के लिये 2000 करोड़ रुपए और समाज कल्याण विभाग में सामाजिक सुरक्षा मद में 1158.85 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राँची सहित देशभर के 25 हवाई अड्डों को लीज पर देने की तैयारी

चर्चा में क्यों ?

19 दिसंबर, 2022 को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वीके सिंह ने बताया कि देश के प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों के संचालन का काम निजी क्षेत्र की कंपनियाँ कर रही हैं। इसी क्रम में अब राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत राँची सहित देश के अन्य 25 शहरों के हवाई अड्डों को 2022 से 2025 के दौरान लीज पर देने के लिये चुना गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के अनुसार देश में पटना, राँची, भुवनेश्वर, वाराणसी, अमृतसर, त्रिची, इंदौर, रायपुर, कालीकट, कोयंबटूर, नागपुर, मदुरै, सूरत, जोधपुर, चेन्नई, विजयवाड़ा, वडोदरा, भोपाल, तिरुपति, हुबली, इंफाल, अगरतला, उदयपुर, देहरादून और राजमुंदरी को लीज पर देने के लिये चुना गया है।
- एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आठ हवाई अड्डों को संचालन के लिये पीपीपी मॉडल के तहत लंबे समय के लिये लीज पर दिया है। मंत्रालय का मानना है कि जनहित में इसे निजी क्षेत्र को लीज पर दिया जा रहा है, ताकि देश में आधुनिक हवाई अड्डों का निर्माण हो सके।
- वीके सिंह ने बताया कि हवाई अड्डे आर्थिक गतिविधि के केंद्र के तौर पर सामने आए हैं। लीज पर एयरपोर्ट देने से हासिल राजस्व से देश में हवाई अड्डों के बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार ने देश में 21 ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे के निर्माण को मंज़ूरी दी है, जिसमें से 10 ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं।

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (XISS) को युनिवर्सिटी में बदलने की तैयारी शुरू

चर्चा में क्यों ?

20 दिसंबर, 2022 को झारखंड के राँची के एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसेफ मरियानूस कुजूर ने संस्था में आयोजित कार्यक्रम 'संवाद 0' में बताया कि जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस को युनिवर्सिटी में बदलने की तैयारी शुरू कर दी गई है तथा नये कैंपस के लिये राँची के बंधगाँव, नामकुम में 35 एकड़ ज़मीन चिह्नित कर ली गई है।

प्रमुख बिंदु

- निदेशक डॉ. कुजूर ने बताया कि एक्सआईएसएस को युनिवर्सिटी के रूप में जल्द स्थापित करने के लिये एक युनिवर्सिटी टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसकी अध्यक्षता फादर जेवियर सोरेंग समेत अन्य चार सदस्य कर रहे हैं।
- उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के तहत नये सत्र से दो नये डिप्लोमा कोर्स का संचालन होगा। इसके तहत पूर्व से संचालित छः माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन जियोइंफॉर्मेटिक्स को अब एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स इन जियोइंफॉर्मेटिक्स (जीआईएस) में बदला गया है।
- इसके अलावा एक वर्षीय डिप्लोमा इन ट्राइबल स्टडीज को शुरू किया जाएगा। इसका कोर्स प्लान तैयार कर लिया गया है।

लातेहार के चार लोक कलाकारों को मिला पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा अवॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

22 दिसंबर, 2022 को झारखंड के राँची में झारखंड आदिवासी विकास समिति द्वारा आयोजित डॉ. रामदयाल मुंडा स्मृति सम्मान समारोह, 2022 में राज्य के लातेहार ज़िले के चार लोक कलाकारों को पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- लोक कलाकारों में रविकांत भगत व सुकुल उराँव को कुडुख गायन एवं संगीत निर्देशन, रिंकू उराँव को कुडुख सांस्कृतिक गीतों में अच्छे अभिनय के लिये, जबकि जितेंद्र भगत को कुडुख गीतों और वीडियो में अच्छी कोरियोग्राफी के लिये यह सम्मान मिला है।
- गौरतलब है कि शहर से सटे सदर प्रखंड के पतरिया चोटाग निवासी रविकांत भगत 20 साल से लगातार कुडुख भाषा में गीत गाते चले आ रहे हैं। वहीं सुकुल उराँव 10 साल से कुडुख संस्कृति में गायकी और संगीत निर्देशक के रूप में काम कर रहे हैं।
- रिंकू उराँव व जितेंद्र भगत ने बताया कि वे भविष्य में भी कुड़ुख संस्कृति पर काम करते रहेंगे। इनका पतरिया चोटाग में सरना स्टूडियो भी है, जिसके बैनर तले यू-ट्यूब पर हजारों नागपुरी वीडियो एल्बम बना चुके हैं और लगातार गायन व कला के क्षेत्र में स्थानीय कलाकारों को मौका दे रहे हैं।

नोट :

मुख्यमंत्री ने राज्य में दी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने की मंज़ूरी

चर्चा में क्यों ?

24 दिसंबर, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के राँची में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने की योजना को मंज़ूरी प्रदान कर दी है। इससे पहले भारत सरकार द्वारा यहाँ बन रहे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का प्रोजेक्ट रद्द कर दिया गया था।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी साल 29 जुलाई को राँची के कोर कैपिटल एरिया में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की आधारशिला रखी थी, लेकिन शिलान्यास के एक महीने बाद ही भारत सरकार ने प्रोजेक्ट शुरू होने में विलंब की बात करते हुए इसे रद्द कर दिया था।
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बताया कि राँची के धुर्वा क्षेत्र स्थित 3.45 एकड़ में प्रस्तावित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने पर करीब 44 करोड़ 60 लाख रुपए खर्च होना है तथा यहाँ 'जी प्लस फाइव भवन' का निर्माण किया जाना है।
- उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में भारत सरकार ने अनुदान की पहली किस्त 9.80 करोड़ रुपए झारखंड को आवंटित की थी, लेकिन उसके बाद कोविड संक्रमण की आशंका के कारण दो वर्ष लॉकडाउन की स्थिति रही। इसके अलावा अन्य कारणों से भी राशि होने के बावजूद वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बनाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी। हालाँकि, केंद्र ने इसे नज़रअंदाज करते हुए पूर्व में दिया गया अनुदान वापस मांग लिया है।
- वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के निर्माण का उद्देश्य देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान करते हुए निर्यात को बढ़ावा देना है तथा हर तरह की सुविधा को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है। इसके ज़रिये लोकल उत्पादों को विदेशी बाज़ार उपलब्ध कराने का रोडमैप तैयार किया गया है।

झारखंड में स्थापित किये जाएंगे 24 नए ट्रॉमा सेंटर

चर्चा में क्यों ?

26 दिसंबर, 2022 को झारखंड के स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने बताया कि नये साल में राज्य वासियों को 24 नए ट्रॉमा सेंटर की सौगात मिलेगी। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में अवस्थित विभिन्न राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों पर स्थापित 24 ट्रॉमा सेंटरों को संचालित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटरों की स्थापना लेवल-3 के रूप में की जाएगी। ट्रॉमा सेंटरों का संचालन एवं प्रबंधन की व्यवस्था लोक निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर की जाएगी। पीपीपी मोड पर अनुभवी/प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों/संस्थाओं का चयन खुली निविदा के माध्यम से किया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के द्वारा निर्धारित एसटीजी (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल) के तहत सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर राज्य के विभिन्न राष्ट्रीय व राजकीय उच्चपथों पर 48 ट्रॉमा सेंटर स्थापित किये जाने हैं, जिनमें से प्रथम चरण में 21 ज़िलों में 24 ट्रॉमा सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं।
- आवश्यक जीवन रक्षी व्यवस्थाओं से सुसज्जित ये सभी ट्रॉमा सेंटर सप्ताह में सातों दिन 24 घंटे संचालित होंगे। यहां दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की आवश्यक चिकित्सा के बाद आवश्यकतानुसार उन्हें बेहतर चिकित्सा संस्थान में स्थानांतरित किया जा सकेगा।
- अपर मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में खुलने वाले 48 में से 24 ट्रॉमा सेंटरों को वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस पर लगभग 53 करोड़ रुपए खर्च संभावित है, जिसकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
- राज्य में साहिबगंज एसडीएच, गढ़वा नगर उंटारी, पलामू डाल्टनगंज, लोहरदगा सीएचसी, कुरू, गुमला सीएचसी, रायडीह, दुमका मेडिकल, शिकारीपाड़ा, जरमुंडी, देवघर सदर अस्पताल, पाकुड़ सदर अस्पताल, सिमडेगा सदर अस्पताल, कोलेबिरा सीएचसी, बोकारो सदर अस्पताल, पूर्वी सिंहभूम बहरागोड़ा, राँची बुंडू, हज़ारीबाग एसबीएम कैंपस, रामगढ़ ट्रॉमा सेंटर भवन, गिरिडीह सीएचसी, बगोदर, धनबाद सीएचसी, निरसा, कोडरमा भवन निर्माणाधीन, खूंटी सदर अस्पताल, पश्चिमी सिंहभूम चक्रधरपुर, चतरा सदर अस्पताल, लातेहार सदर अस्पताल को ट्रॉमा सेंटर मिलेगा।

नोट :

- सड़क दुर्घटना के मरीजों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के साथ ही ट्रॉमा सेंटरों के द्वारा आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएँ भी प्रदान की जाएंगी। सभी ट्रॉमा सेंटरों में 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर के साथ-साथ एंबुलेंस की भी सुविधा होगी। सभी सेंटर सीसीटीवी से लैस होंगे, ताकि सेंटरों के क्रियाकलापों की लाईव रिपोर्ट प्राप्त हो सके।
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थापित 104 हेल्पलाइनों के द्वारा सभी ट्रॉमा सेंटरों एवं अन्य समस्त हितधारकों एवं प्रभावित व्यक्तियों के बीच समन्वय बनाकर आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना'

चर्चा में क्यों ?

28 दिसंबर, 2022 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में शिक्षा को विस्तार देने के क्रम में 10वीं और 12वीं पास गरीब परिवार के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर देने का फैसला किया है। इसके लिये राज्य सरकार 'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना'की शुरुआत कर रही है।

प्रमुख बिंदु

- 'गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना'के लिये सरकार 200 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड बनाएगी।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य झारखंड राज्य के बच्चों को अच्छे शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के लिये वित्तीय मदद उपलब्ध कराना है। सरकार की इस योजना से वैसे बच्चे जो पहले धन के अभाव में उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाते थे, अब उससे वंचित नहीं रहेंगे। गुरुजी क्रेडिट कार्ड के जरिये अब वे अपना भविष्य गढ़ने का सपना साकार कर सकेंगे।
- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने बताया कि झारखंड राज्य में मान्यताप्राप्त शिक्षण संस्थानों से 10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई करने वाले (डिप्लोमा छात्रों के लिये 10वीं कक्षा उत्तीर्ण) विद्यार्थियों के लिये ऋण की व्यवस्था की जाएगी। इसी उद्देश्य से गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है।
- विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा, ताकि वे अपनी पढ़ाई के लिये आसानी से कर्ज ले सकें।
- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को अधिकतम 15 लाख रुपए का कर्ज मिलेगा। उन्हें बैंकों के जरिये लोन उपलब्ध कराया जाएगा। इस राशि का अधिकतम 30 फीसदी नन- इंस्टीट्यूशनल कार्यों (रहने-खाने के खर्च सहित) के लिये मिलेगा। छात्रों को इसके लिये महज 4 फीसदी का ब्याज ही चुकाना होगा।
- विद्यार्थियों को 4 फीसदी सिंपल रेट ऑफ इंटरेस्ट चुकाना होगा. बाकी के ब्याज का पैसा इंटरेस्ट सबवेंशन के रूप में राज्य सरकार चुकाएगी। यानी राज्य सरकार गारंटर की भूमिका में रहेगी।
- लोन लेने के लिये छात्रों को किसी प्रकार के कोलैटरल सिक्यूरिटी देने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। लोन की राशि को विद्यार्थी 15 साल में चुका सकेंगे। बच्चे जो लोन लेंगे, उस पर ब्याज की गणना साधारण ब्याज की दर पर की जाएगी। यह ऋण की पूरी अवधि तक फिक्स्ड रहेगी।
- विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये लोन लेने के लिये बैंक को किसी प्रकार की प्रोसेसिंग फीस नहीं देनी होगी।
- झारखंड सरकार राज्य के भीतर और अन्य राज्यों में देश के वैसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों का चयन करेगी, जो पिछले एनआईआरएफ की लिस्ट में ओवरऑल 200 क्रम संख्या के अंदर अथवा संस्थान की संबंधित श्रेणी में एनआईआरएफ की सूची में टॉप 100 में आते हों अथवा एनएएसी से 'ए' श्रेणी या उससे ऊपर का दर्जा प्राप्त हो।

नोट :